17 अगस्त 2017, कुल पृष्ठ : 8, मूल्य : 2/- आर. एन. आई. 31109/77 JaipurCity / 224 / 2015-17

जैन
पथप्रदर्शक

ए-4, बापूनगर, जयपुर - 302015 (राज.)

नैतिक एवं सामाजिक चेतना का अग्रदूत निष्पक्ष पाक्षिक

डॉ. हुकमचन्दजी भारिल्ल के व्याख्यान प्रतिदिन अब आधे घंटे
जिनवाणी चैनल पर
जिनवाणी JINVANI सुख, शान्ति, समृद्धि
प्रतिदिन
प्रातः 6.30 से 7.00 बजे तक

वर्ष : 40, अंक : 10 सम्पादक : **पण्डित रतनचन्द भारिल्ल** आजीवन शुल्क : 251 रुपये
अगस्त (द्वितीय), 2017 (वीर नि. संवत्-2543) सह-सम्पादक : **डॉ. संजीवकुमार गोधा व पण्डित परमात्मप्रकाश भारिल्ल** वार्षिक शुल्क : 25 रुपये

तत्त्वप्रचार के क्षेत्र में -

सोश्यल मीडिया के बढते कदम

जयपुर (राज.) : यहाँ टोडरमल स्मारक भवन में दिनांक 23 जुलाई से 1 अगस्त तक आयोजित शिक्षण शिविर का लाभ देश-विदेश के हजारों साधर्मियों ने सोश्यल मीडिया के माध्यम से लिया; यह इस शिविर की विशेष उपलब्धि रही।

इसके अन्तर्गत यू-स्ट्रीम पर 1145 लोगों ने, मोबाइल द्वारा कॉन्फ्रेन्स सुविधा के अन्तर्गत 1300 लोगों ने (प्रतिदिन 600 मिनिट), यू-ट्यूब पर 45000 लोगों ने (लगभग 7 लाख मिनिट) शिविर के कार्यक्रमों का लाभ लिया। फेसबुक के माध्यम से भी हजारों लोगों तक शिविर के कार्यक्रम पहुंचे। इसके अतिरिक्त वाट्सअप पर डॉ. हुकमचंदजी भारिल्ल के समयसार पर प्रवचनों का लाभ लगभग 5400 लोग प्रतिदिन ले रहे हैं।

सभी साधर्मीजन टोडरमल स्मारक भवन में होने वाले प्रत्येक कार्यक्रम को देखने-सुनने के लिये -

(1) मोबाइल से फोन लगाकर - आपको अपने मोबाइल से 7400130777 इस नम्बर पर कॉल लगाना है, वह एक एक्सेस कोड

(शेष पृष्ठ 6 पर ...)

साप्ताहिक गोष्ठियों में -

निमित्त-उपादान एवं रक्षाबंधन पर गोष्ठी

जयपुर (राज.) : यहाँ टोडरमल स्मारक भवन में शिक्षण शिविर के अवसर पर दिनांक 1 अगस्त को महाविद्यालय के छात्रों द्वारा 'निमित्त-उपादान' विषय पर गोष्ठी संपन्न हुई। गोष्ठी की अध्यक्षता पण्डित कमलचंदजी पिड़ावा ने की। विशिष्ट अतिथियों के रूप में पण्डित प्रमोदजी शास्त्री शाहगढ एवं श्री सुभाषजी सांगली रहे। श्रेष्ठ वक्ताओं में मयंक जैन (शास्त्री प्रथम वर्ष) और श्रुति जैन (शास्त्री द्वितीय वर्ष) रहे। गोष्ठी का संचालन आकाश जैन अमायन व पारस जैन खेकड़ा ने किया।

दिनांक 7 अगस्त को रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर 'रक्षाबंधन' विषय पर गोष्ठी आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता डॉ. राजेशकुमारजी विदिशा ने की। श्रेष्ठ वक्ता के रूप में संयम जैन गुढाचन्द्रजी (उपाध्याय वरिष्ठ) एवं भविक जैन सिरसा (उपाध्याय वरिष्ठ) रहे। गोष्ठी का संचालन शशांक जैन दलपतपुर व दिवस जैन छिन्दवाड़ा ने एवं आभार प्रदर्शन पण्डित जिनकुमारजी शास्त्री ने किया।

अनेक विद्यार्थियों ने गोष्ठियों से संबंधित निबंध, कविता आदि संस्कृत व हिन्दी में लिखकर दिये, जिन्हें पुरस्कृत किया गया।

ज्ञानतीर्थ श्री टोडरमल स्मारक भवन जयपुर में पण्डित टोडरमल सर्वोदय ट्रस्ट द्वारा आयोजित

20वाँ आध्यात्मिक शिक्षण शिविर

(रविवार 17 सितम्बर से रविवार 24 सितम्बर 2017 तक)

डॉ. हुकमचंदजी भारिल्ल के निर्देशन में आयोजित उक्त शिविर में विशेषज्ञ विद्वानों के प्रवचनों एवं कक्षाओं के माध्यम से जैनदर्शन के विविध विषयों का गहराई से अध्ययन/अध्यापन किया जायेगा। अतः अन्य शिविरों से पृथक् यह शिविर जैनदर्शन के सूक्ष्म अध्ययन के इच्छुक जिज्ञासुओं के लिये एक स्वर्ण अवसर होगा। (इसकी विस्तृत जानकारी पृष्ठ-6 पर श्री परमात्मप्रकाशजी के लेख में दी गई है।)

आप सभी को शिविर में पधारने हेतु हार्दिक आमंत्रण है।

नोट : कृपया आवासादि की समुचित व्यवस्था हेतु अपने आगमन की पूर्व सूचना अवश्य देवें।

संपर्क सूत्र - **ज्ञानतीर्थ श्री टोडरमल स्मारक भवन, ए-4, बापूनगर, जयपुर (राज.)** 302015

फोन नं.- 0141-2705581, 2707458, E-mail : ptstjaipur@yahoo.com

सम्पादकीय –

संस्कारों का महत्व

– पण्डित रतनचन्द भारिल्ल

(गतांक से आगे...)

प्रो. ज्ञान ने बैठक बुलाने का उद्देश्य बताते हुए अपने संबोधन में कहा ''बंधुओं ! आज की यह बैठक किसी सामाजिक समस्या को लेकर नहीं बुलाई गई है औन न किसी व्यक्ति विशेष की समस्या सुलझाने हेतु ही आप लोगों को कष्ट दिया गया है। आज की यह बैठक एक ऐसे पवित्र उद्देश्य को लेकर आयोजित की गई है, जिसमें हम सबका हित है।

देखिए, हम लोग छोटे से वर्तमान मानव–जीवन को सुखपूर्वक जीने के लिए क्या–क्या नहीं करते ? दिन–रात एक किए रहते हैं। केवल आर्थिक व्यवस्था को व्यवस्थित रखने के लिए ही तो हम अपनी संतान को बीस–बीस वर्ष तक कठोर परिश्रम करके सी.ए., डॉक्टरी, इंजीनियरिंग, वकालात आदि की पढाई पढाते हैं। बताइये धनार्जन के सिवाय इस पढाई का और क्या उपयोग है?

यह तो आप जानते ही हैं कि मनुष्य और पशु में क्या अन्तर है ? खाना, सोना, डरना और विषयवासना आदि तो मनुष्यों और पशुओं में समान ही होते हैं, इनसे तो मनुष्य में कुछ बड़प्पन या विशेषता है नहीं। हाँ, मनुष्य जीवन में एक धर्म से ही विशेषता आ सकती है, जो बेचारे पशुओं को सरलता से नसीब नहीं होती। यदि मानव–जीवन में धार्मिकता न हो तो धर्मविहीन मानव तो पशु तुल्य ही है। एक संस्कृत कवि ने कहा भी है –

आहारनिद्राभयमैथुनं च, सामान्यमेतत् पशुभि: नराणाम्।
धर्मोहितेषामधिको विशेष: धर्मेण हीन: पशुभि: समान:।।

राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त तो पतितजनों (पापी) पर व्यंग करते हुए यहाँ तक लिख गये हैं कि 'पापी मनुष्यों को पशु कहकर पशुओं का अपमान क्यों करते हो ? अरे पापी पुरुषों से तो पशु बहुत अच्छे हैं, वे तो बेचारे अपने नैसर्गिक नियमों का भी उल्लंघन नहीं करते' देखिए न उन्हीं के शब्दों में –

पतित जनों में हम करते हैं, बहुधा पशुता का आरोप।
किन्तु पशु भी करता है क्या निज निसर्ग नियमों का लोप ?।।
मैं मनुष्यता को सुरत्व की जननी भी कह सकता हूँ।
किन्तु पतित को पशु कहना मैं कभी नहीं सह सकता हूँ।।

इससे स्पष्ट है कि धर्माचरण के बिना मनुष्य को मनुष्य कहलाने का भी अधिकार नहीं है; अत: आज हम एक ऐसा संगठन बनाने को एकत्रित हुए हैं, जिसके द्वारा हम स्वयं धर्माचरण सीखें और जन–जन में धर्म का प्रचार–प्रसार कर सकें। धर्म के बिना प्राणी सभी सुखी नहीं हो सकता। कहा भी है –

धर्म करत संसार सुख, धर्म करत निर्वान।
धर्म पन्थ साधे बिना, नर तिर्यंच समान।।

जिस माया और काया को आप केवल एक जन्म के सुख का साधन मानते हैं, उसे प्राप्त करने और ठीक रखने के लिए कितना और क्या–क्या करते हैं – कुछ पता है आपको ? केवल पैसा कमाने के लिए पच्चीस वर्ष की उम्र तक प्रतिदिन सोलह–सोलह घंटे परिश्रम करके अर्थकरी विद्या पढते हैं या नहीं ? क्या डॉक्टरी, इंजीनियरिंग, चार्टर्ड अकाउन्टेन्सी और बिजनेस मैनेजमेन्ट जैसी तकनीकी विद्यायें विशुद्ध अर्थकरी नहीं हैं ?

और इनके पढ लेने मात्र से थोड़े ही धन आने लगता है, इन सबके साथ पूरे यौवन का क्रीम टाइम भी इसी रोटी, कपड़ा और मकान की समस्या हल करने में बीतता है, तब कहीं कुछ हाथ लगता है।

उसमें भी यदि भाग्य ने साथ दिया तो, अन्यथा इतना करने के बाद भी जीवनभर धक्के खाने पड़ते हैं। खैर ! जो भी करते हो, करो। इस विषय में हमें कुछ नहीं कहना है।

पर, हम यहाँ यह अवश्य पूछना चाहते हैं कि ''आप और हम सब यदि एक जन्म के लिए इतना सब करते हैं तो हमें अपने आगामी अनन्त जन्मों को सुखपूर्वक बिताने के लिये भी कुछ करना चाहिए या नहीं ?''

प्रो. ज्ञान के इस प्रभावशाली प्रेरणादायक सम्बोधन भाषण को सुनकर सभी विचार में पड़ गये। उनके चेहरों से ऐसा लग रहा था कि मानो वे कह रहे हों कि 'प्रो. ज्ञान की बात में दम तो है, यह भाषण कोरा भाषण नहीं है। उसमें उसकी जनकल्याण की पवित्र भावना का पुट भी है।

वस्तुत: हमने तो अब तक इस दिशा में कभी सोचा भी नहीं था, हम तो केवल खाने–कमाने में ही ऐसे मग्न हो गये थे मानो यही हमारी अन्तिम मंजिल है। इसके आगे कुछ गंतव्य या राह ही नहीं है। (क्रमश:)

डॉ. भारिल्ल के आगामी कार्यक्रम

18 से 25 अगस्त	मुम्बई	श्वेताम्बर पर्यूषण
26 अग.से 6 सित.	भोपाल (कोहेफिजा)	दशलक्षण पर्व
17 से 24 सितम्बर	जयपुर	शिक्षण शिविर
1 से 5 अक्टूबर	श्रवणबेलगोला	विद्वत् सम्मेलन
15 से 19 अक्टूबर	देवलाली	दीपावली

दशलक्षण महापर्व में धर्म प्रभावनार्थ कहाँ-कौन ?

पण्डित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी दिनांक 26 अगस्त 2017 से प्रारम्भ हो रहे दशलक्षण महापर्व में समाज के आमंत्रण पर तत्त्वप्रचारार्थ विद्वान भेजे जा रहे हैं। दिनांक 12 अगस्त 2017 तक हमारे पास 360 स्थानों से आमंत्रण प्राप्त हो चुके हैं और अभी भी अनेक स्थानों से आमंत्रण प्राप्त हो रहे हैं। दिनांक 12 अगस्त 2017 तक लिये गये निर्णयानुसार अब तक लगभग 345 स्थानों पर ही विद्वान निश्चित हो सके हैं; शेष स्थानों पर विद्वान निश्चित करना बाकी है। अभी तक तैयार सूची यहाँ प्रकाशित की जा रही है –

विशिष्ट विद्वान : 1. **भोपाल (कोहेफिजा) :** डॉ. हुकमचन्दजी भारिल्ल जयपुर, 2. **जयपुर :** पण्डित रतनचन्दजी भारिल्ल जयपुर, 3.**छिन्दवाड़ा :** डॉ. उत्तमचन्दजी जैन सिवनी, 4. **जयपुर :** ब्र. यशपालजी जैन जयपुर, 5. **सोनागिर :** पण्डित ज्ञानचन्दजी जैन विदिशा, 6. **औरंगाबाद :** ब्र. सुमतप्रकाशजी जैन खनियांधाना 7. **करेली** : पण्डित विमलप्रकाशजी झांझरी उज्जैन, 8. **दिल्ली (अध्यात्मतीर्थ)** : ब्र. जतीशचन्दजी शास्त्री सनावद, 9. **बेलगांव :** ब्र. अभिनन्दनजी शास्त्री खनियांधाना, 10.**छिन्दवाड़ा** : पण्डित राजेन्द्रकुमारजी जबलपुर, 11. **मुम्बई (बोरीवली)** : पण्डित अभयकुमारजी शास्त्री देवलाली, 12. **भोपाल (ज्ञानोदय तीर्थ)** : ब्र. हेमचन्दजी 'हेम' देवलाली, 13. **टीकमगढ :** पण्डित शांतिकुमारजी पाटील शास्त्री जयपुर, 14. **देवलाली** : पण्डित वीरेन्द्रकुमारजी जैन आगरा, 15. **मुम्बई (सीमंधर जिनालय)** : पण्डित शैलेशभाई शाह तलौद, 16. **विदिशा (किला अन्दर)** : पण्डित राकेशजी शास्त्री नागपुर, 17.**अलीगढ** : पण्डित अशोकजी लुहाड़िया शास्त्री मंगलायतन, 18.**राजकोट :** पण्डित प्रदीपकुमारजी झांझरी उज्जैन, 19. **मुम्बई (भायन्दर) :** डॉ. संजीवकुमारजी गोधा जयपुर, 20. **भोपाल (चौक)** : पण्डित अनिलकुमारजी शास्त्री भिण्ड, 21. **मेरठ :** पण्डित पीयूषजी शास्त्री जयपुर, 22. **कोटा (रामपुरा)** : ब्र. कैलाशचन्द्रजी अचल, 23. **द्रोणगिरि** : डॉ. दीपकजी जैन जयपुर।

विदेश : 1. **कनाडा** : पण्डित सुनीलजी जैनापुरे राजकोट, 2.**नैरोबी** : पण्डित संजयजी शास्त्री जेवर, 3. **लन्दन** : पण्डित अभिषेकजी शास्त्री पालड़ी, 4. **दुबई :** डॉ. नीतेशजी शाह जयपुर, 5. **मोना (ऑनलाइन) :** डॉ. अरुणकुमारजी शास्त्री बण्ड जयपुर, 6. **सिएटल :** पण्डित विक्रान्त शाह शास्त्री सोलापुर।

मध्यप्रदेश प्रान्त

1. **भोपाल (कोहेफिजा) :** डॉ. हुकमचंद भारिल्ल, 2. **टीकमगढ़ :** पण्डित शान्तिकुमारजी पाटील जयपुर, 3. **इन्दौर (साधनानगर) :** पण्डित रजनीभाई हिम्मतनगर, 4. **विदिशा (किला अन्दर) :** पण्डित राकेशजी शास्त्री नागपुर, 5. **छिन्दवाड़ा :** पण्डित राजेन्द्रकुमारजी जबलपुर, 6.**भोपाल (कोहेफिजा) :** पण्डित अच्युतकांतजी शास्त्री जसवंतनगर, 7. **भोपाल (चौक) :** पण्डित अनिलजी शास्त्री भिण्ड, 8. **अशोकनगर :** पण्डित अश्विनभाई शाह मलाड़, 9. **जबलपुर :** पण्डित अंकुर शास्त्री भोपाल, 10. **बीना :** पण्डित महेन्द्रकुमारजी शास्त्री भिण्ड, 11. **रतलाम (आदिनाथ चैत्यालय) :** पण्डित धनसिंहजी पिड़ावा, 12. **इन्दौर (पलासिया) :** पण्डित ज्ञायक शास्त्री मुम्बई, 13. **उज्जैन (क्षीरसागर) :** पण्डित संजयजी सेठी शास्त्री जयपुर, 14. **गुना (वीतराग–विज्ञान) :** पण्डित प्रवीणजी शास्त्री बांसवाड़ा, 15. **भिण्ड (परमागम मन्दिर) :** पण्डित अरुणजी मोदी सागर, 16. **बदरवास :** पण्डित सुशीलजी शास्त्री भोपाल, 17.**ग्वालियर (फालका बाजार) :** पण्डित निखिलजी शास्त्री मेरठ, 18.**गढ़ाकोटा :** पण्डित अमनजी शास्त्री जयपुर, 19. **सागर (महावीर जिनालय) :** ब्र. श्रेणिकजी जबलपुर, 20. **कोलारस (चौधरी मोहल्ला) :** पण्डित अभिषेकजी शास्त्री मुम्बई, 21. **ग्वालियर (सोडा का कुआँ) :** पण्डित फूलचन्दजी हिंगोली, 22.–23. **इन्दौर (रामाशा मन्दिर) :** पण्डित सुनीलजी धवल भोपाल एवं पण्डित अनिलजी धवल शास्त्री भोपाल, 24. **बेगमगंज :** पण्डित आशीष शास्त्री सिलवानी, 25. **खुरई :** पण्डित विनीत शास्त्री आगरा, 26. **होशंगाबाद :** पण्डित चितरंजनजी छिन्दवाड़ा, 27. **भिण्ड (देवनगर) :** पण्डित संजयकुमारजी शास्त्री खनियांधाना, 28. **सिलवानी :** पण्डित मंथन शास्त्री गाला जयपुर, 29. **बण्डा :** पण्डित सुरेशचन्दजी टीकमगढ़, 30. **इन्दौर (ओम विहार) :** पण्डित जितेन्द्र शास्त्री अमरमऊ जयपुर, 31–35. **सोनागिर :** पण्डित ज्ञानचन्दजी विदिशा, पण्डित राजकुमारजी शास्त्री गुना, पण्डित विनोदजी चिन्मय विदिशा, पण्डित मुकेशजी तन्मय विदिशा एवं पण्डित रमेशचंदजी लवाण, 36. **शाहगढ़ :** पण्डित अनुभव शास्त्री खनियांधाना, 37. **सागर (तारण–तरण) :** पण्डित नेमिचन्दजी ग्वालियर, 38. **सागर (तारण–तरण) कक्षा :** पण्डित दिवस शास्त्री जयपुर, 39. **शिवपुरी (शान्तिनाथ मन्दिर) :** पण्डित सुरेशचन्दजी कोलारस, 40. **शिवपुरी (परमागम मंदिर)** : पण्डित सन्मतिजी शास्त्री सागर, 41. **मन्दसौर (नई आबादी) :** पण्डित चिन्मय शास्त्री पिड़ावा, 42. **विदिशा (अरहंत विहार) :** पण्डित दर्शित शास्त्री बांदा, 43. **मगरौन (तारण–तरण) :** पण्डित संकल्प समैया कोटा, 44.**गंजबसौदा (तारण–तरण) :** पण्डित कार्तिक शास्त्री बान्दा जयपुर, 45. **मन्दसौर (कालाखेत) :** डॉ. नरेन्द्रजी शास्त्री जयपुर, 46. **शहापुर (बुरहानपुर) :** विदूषी सौ. लता रोम अकोला, 47. **गौरझामर :** पण्डित राहुलजी रानीपुर, 48. **नरवर :** पण्डित रोहित शास्त्री मढ़देवरा कोटा, 49. **रांझी (जबलपुर) :** पण्डित विवेक शास्त्री अमरमऊ, 50. **कुचड़ौद :** पण्डित आई.एम. जैन एडवोकेट रतलाम, 51. **आरोन :** विदूषी ब्र. कल्पनाबेन जयपुर, 52. **मकरोनिया (सागर) :** पण्डित कमलेशजी शास्त्री मौ, 53. **शहापुरा भिटोनी :** पण्डित सजल शास्त्री नोहटा जयपुर, 54.**नागदा जंक्शन :** पण्डित चन्दूलालजी कुशलगढ, 55. **सिवनी :** पण्डित अखिलेशजी शास्त्री सागर, 56. **कोलारस (आदिनाथ) :** ब्र. राजेशकुमारजी जबलपुर, 57. **अमायन :** पण्डित दुर्लभ शास्त्री जयपुर, 58. **इन्दौर (लश्करी मन्दिर) :** पण्डित मनीषजी शास्त्री बरेली, 59.**राधौगढ :** पण्डित प्रमोदजी मकरोनिया सागर, 60. **निसईजी :** पण्डित राजकुमारजी

सर्राफ सागर, 61. **निसईजी :** पण्डित रतनलालजी होशंगाबाद, 62.**निसईजी :** पण्डित सुधीरकुमारजी सहयोगी सागर, 63. **निसईजी :** विदूषी पुष्पाबेनजी होशंगाबाद, 64. **इन्दौर (रामचन्द्र नगर) :** विदूषी सारिका छाबड़ा, 65.–66. **करेली :** पण्डित विमल दादा झांझरी एवं ब्र. सुकुमाल झांझरी उज्जैन, 67. **द्रोणगिरी :** डॉ. दीपकजी शास्त्री जयपुर, 68. **बदनावर (धार) :** पण्डित सौरभ शास्त्री दुरुगकर जयपुर, 69. **बावई (होशंगाबाद) :** पण्डित ब्र. सुधाबेन छिन्दवाड़ा, 70. **सनावद (समवशरण मन्दिर) :** पण्डित संजय शास्त्री परतापुर, 71. **सिंगोली :** पण्डित विवेक शास्त्री पिड़ावा, 72. **पचमढ़ी :** पण्डित जीवेश शास्त्री पिड़ावा, 73.**हरदा :** विदुषी कुसुमलताजी, **74. उभैगांव :** पण्डित शेषकुमारजी उभेगाँव, **75. दमोह (कांच मन्दिर) :** पण्डित धनकुमारजी जैन, **76. केसली :** ब्र. नन्हे भैया सागर एवं पण्डित सचिन्द्र शास्त्री गढ़ाकोटा, 77. **खुरई (स्टेशन मन्दिर) :** पण्डित प्रयंक शास्त्री रहली, 78. **छिंदवाड़ा (गांधीगंज) :** पण्डित ज्ञायक शास्त्री उदयपुर जयपुर, 79. **दलपतपुर :** पण्डित प्रतीक शास्त्री विदिशा जयपुर, 80. **कटनी :** पण्डित कमलचन्दजी पिड़ावा, **81. राघौगढ (विधान हेतु) :** पण्डित आयुषजी शास्त्री पिपरिया जयपुर, 82. **सुजालपुर मण्डी :** पण्डित लालारामजी एडवोकेट इन्दौर, 83.**चन्देरी :** पण्डित पूरणचन्दजी मौ सोनागिर, 84. **लुकवासा (विधान) :** पण्डित विवेक शास्त्री बण्डा कोटा, 85. **लुकवासा :** पण्डित अंशुल शास्त्री मुंगवारी कोटा, 86. **गुना (महावीर जिनालय) :** पण्डित सुनीलजी शास्त्री प्रतापगढ़, 87. **अमरमऊ :** पण्डित दीपेशजी शास्त्री अमरमऊ, 88.**गंधवानी (धार) :** पण्डित प्रमोदजी शास्त्री बांसवाड़ा, 89.–90. **भोपाल (ज्ञानोदय तीर्थ) :** ब्र. हेमचन्दजी 'हेम' भोपाल एवं पण्डित प्रमेशजी शास्त्री जबेरा, 91. **भोपाल (कोलार रोड़) :** पण्डित भूपेन्द्र शास्त्री विदिशा, जयपुर, 92. **मुरार (ग्वालियर) :** पण्डित स्वतंत्र भूषण शास्त्री दिल्ली, **93. ग्वालियर (सीमंधर जिनालय) :** पण्डित प्रद्युम्नकुमारजी मुजफ्फरनगर, 94. **सिंगोड़ी :** ब्र. सत्येन्दजी मौ, 95. **द्रोणगिरी :** ब्र. महेन्द्र शास्त्री खनियांधाना, 96. **इन्दौर (गांधीनगर) :** पण्डित विवेक गौरझामर, **97. बेगमगंज :** पण्डित आशीषजी शास्त्री सिलवानी, **98.–102. रायपुर :** पण्डित गजेन्द्रजी शास्त्री बड़ामलहरा, पण्डित नितिनजी शास्त्री खड़ैरी, पण्डित तन्मयजी शास्त्री खनियांधाना, पण्डित अभिषेकजी शास्त्री मड़देवरा, पण्डित रवीन्द्रजी शास्त्री बकस्वाहा, **103. महिदपुर :** पण्डित प्रशांतजी शास्त्री पाटील आलते, 104. **जबेरा :** पण्डित निर्मलजी सागर, 105. **भोपाल (कस्तूरबानगर) :** पण्डित सतीशकुमारजी पिपरई, 106–107. **जावरा :** पण्डित अश्विनजी शास्त्री नानावटी एवं पण्डित रवीन्द्रजी शास्त्री जयपुर, 108. **मौ (पार्श्वनाथ मन्दिर) :** पण्डित गोकुलचन्दजी सरोज ललितपुर, 109. **शहडोल :** विदुषी पुष्पाजी खंडवा, 110. **फुटेरा :** पण्डित प्रतीक शास्त्री जबलपुर।

महाराष्ट्र प्रान्त

1. औरंगाबाद : ब्र. सुमतप्रकाशजी खनियांधाना, 2. **मुम्बई (सीमंधर जिनालय) :** पण्डित शैलेषभाई शाह तलोद, 3. **मुम्बई दादर :** पण्डित अभयजी शास्त्री खैरागढ़, 4. **मुम्बई (बोरीवली) :** पण्डित अभयकुमारजी शास्त्री देवलाली, 5. **मुम्बई (बोरीवली विधान) :** पण्डित संयम शास्त्री देशमाने जयपुर, 6. **मुम्बई (घाटकोपर) :** पण्डित विपिनजी शास्त्री मुम्बई, 7. **मुम्बई (भायंदर) वेस्ट :** डॉ. संजीवकुमारजी गोधा जयपुर, 8. **मुम्बई (मलाड) (ईस्ट) :** पण्डित विपिनजी शास्त्री नागपुर, 9. **मुम्बई (दहीसर) :** पण्डित जयकुमारजी कोटा, **10. मुम्बई (वसई रोड) :** पण्डित राजेश सेठ मुम्बई, 11. **मुम्बई (एवरशाईनगर) :** पण्डित राकेशजी शास्त्री दिल्ली, 12. **कल्याण (मुम्बई) :** पण्डित राहुलजी शास्त्री सोनागिर, 13. **मुम्बई (मलाड) (विधान) :** पण्डित अभिनय शास्त्री जबलपुर, 14. **मुम्बई (विक्रोली) :** पण्डित वर्धमान शास्त्री देशमाने, 15. **मुम्बई (ठाणे) :** पण्डित किशोरजी शास्त्री मुम्बई, 16. **मुम्बई (चारखोप) :** पण्डित जितेन्द्रजी शास्त्री गोरेगांव, 17. **नागपुर (इतवारी) :** ब्र. अमितजी विदिशा, 18.**गजपंथा :** पण्डित पदमकुमारजी अजमेरा इन्दौर, 19. **पुणे (स्वा. मंडल) :** विदुषी राजकुमारी बेन दिल्ली, 20.–21. **पुणे (स्वा. मंडल कक्षा) :** पण्डित सम्मेद शास्त्री खोत जयपुर एवं पण्डित विनय शास्त्री मुम्बई जयपुर, 22. **जलगांव :** पण्डित अरहंतप्रकाशजी झांझरी उज्जैन, 23. **वाशिम (जवाहर कालोनी) :** पण्डित ऋषभकुमारजी इन्दौर, 24.**कारंजा (लाड) :** पण्डित नन्दकिशोरजी गोयल विदिशा, 25. **देवलाली :** पण्डित वीरेन्द्रकुमारजी आगरा, 26. **सेलु :** पण्डित नमन शास्त्री खनियांधाना जयपुर, 27. **चिखली :** पण्डित विनीत शास्त्री मुम्बई जयपुर, 28. **डासाला :** पण्डित सम्मेदगांधी शास्त्री जयपुर, 29. **रिसोड :** पण्डित प्रशान्त शास्त्री जयपुर, 30. **बेलोरा :** पण्डित सागर शास्त्री आलमाने बांसवाड़ा, 31. **अकोला :** पण्डित अभिषेक मंगलार्थी उभेगांव, 32.**कोल्हापुर :** डॉ. राजेशजी विदिशा, 33. **गजपंथा (विधान हेतु) :** पण्डित विजय शास्त्री जयपुर, 34. **देऊलगाँवराजा :** पण्डित जीवराजजी पुणे, 35. **देवलाली (विधान हेतु) :** पण्डित दीपक धवल भोपाल, 36.**मलकापुर :** पण्डित शिखरचन्दजी विदिशा, 37. **अकोला (खण्डेलवाल मन्दिर) :** पण्डित सुदीपजी इंजि. बीना, 38. **बाहुबली (कुंभौज) :** डॉ. नेमिनाथ शास्त्री दानोली, 39. **सांगली :** पण्डित जिनेश सेठ शास्त्री मुम्बई, 40. **अनसिंग :** पण्डित नन्दकिशोरजी मांगुलकर काटौल, 41. **अक्कलकोट :** पण्डित सागर शास्त्री पाटील जयपुर, 42.**पुणे (युवा संघ) :** पण्डित सुरेन्द्रकुमारजी उज्जैन इन्दौर, 43. **पंढरपुर :** पण्डित दिलीपजी बाकलीवाल इन्दौर, 44. **अकोला (कौलखेड) :** पण्डित दिलीप महाजन मालेगांव, 45. **सेलूद :** पण्डित वीतराग पाटील बांसवाड़ा, 46. **औरंगाबाद :** ब्र. निखिल भैया भायन्दर, 47. **कलम्ब :** पण्डित श्रेणिक शास्त्री जयपुर, 48. **अहमदनगर :** ब्र. रविजी ललितपुर, **49.कुर्डुवाडी :** पण्डित रोहनजी शास्त्री घाटे, **50. अक्कलकोट :** पण्डित सागर शास्त्री पाटील जयपुर, 51. **हिंगोली :** पण्डित मनोजजी जबलपुर, **52. गजपंथा :** पण्डित शुभमजी शास्त्री उभेगांव, **53.–60. नागपुर :** पण्डित सुदर्शनजी शास्त्री, पण्डित मनीषजी शास्त्री, पण्डित गौरवजी शास्त्री, पण्डित विनीतजी शास्त्री अलीगढ, पण्डित रवीन्द्रजी शास्त्री

महाजन, पण्डित आशीषजी शास्त्री महाजन, पण्डित श्रुतेशजी शास्त्री सातपुते, पण्डित नितिनजी शास्त्री झालरापाटन।

राजस्थान प्रान्त

1.–2. **जयपुर (टोडरमल स्मारक) :** पण्डित रतनचंदजी भारिल्ल, ब्र. यशपालजी जैन, 3. **जयपुर (किशनपोल बाजार) :** पण्डित मनीषजी शास्त्री खड़ैरी, 4. **जयपुर (बड़ा मन्दिर) :** पण्डित श्रीयांसजी शास्त्री जयपुर, 5. **जयपुर (सी–स्कीम) :** पण्डित राजेशजी शास्त्री शाहगढ़, 6.**जयपुर (सेठी चैत्यालय) :** पण्डित संजीवजी शास्त्री खड़ैरी, 7. **जयपुर (त्रिवेणीनगर) :** पण्डित वीरेन्द्रजी शास्त्री बक्स्वाहा, 8. **जयपुर (आदर्शनगर) :** पण्डित रमेशचन्द शास्त्री जयपुर, 9. **कोटा (रामपुरा) :** ब्र. कैलाशचन्दजी 'अचल' ललितपुर, 10. **कोटा (इन्द्र विहार) :** पण्डित संजयजी पुजारी खनियांधाना, 11. **अलवर (मु. मंडल) :** पण्डित मनोजकुमारजी शास्त्री करेली, 12. **पिडावा :** पण्डित सुबोधजी सिंघई सिवनी, 13. **अजमेर (वी.विज्ञान भवन) :** पण्डित रीतेश शास्त्री डडूका बांसवाडा, 14. **उदयपुर (मु. मंडल) :** पण्डित तपिशजी शास्त्री उदयपुर, 15. **उदयपुर (सेक्टर–11) :** पण्डित तेजकुमारजी गंगवाल इन्दौर, 16.**उदयपुर (नेमीनगर) :** पण्डित राहुलजी शास्त्री अलवर मुम्बई, 17.**उदयपुर (गायरीयावास) :** पण्डित सुरेन्द्रजी पंकज छिन्दवाड़ा, 18.**कुशलगढ़ (बड़ा मन्दिर) :** पण्डित संदीप शास्त्री खरेह जयपुर, 19.**कुशलगढ़ (छोटा मन्दिर) :** पण्डित चिराग शास्त्री कोलारस जयपुर, 20. **बिजौलिया :** पण्डित विनोदकुमारजी जबेरा, 21. **पीसांगन :** पण्डित देवांग गाला शास्त्री मुम्बई, 22. **पीसांगन (विधान हेतु) :** विदुषी श्रेया गाला मुम्बई, 23. **टोकर :** पण्डित विवेक शास्त्री मलाड मुम्बई, 24. **साकरोदा :** पण्डित ममित शास्त्री फुटेरा जयपुर, 25. **लाम्बाखोह :** पण्डित सागरजी शास्त्री बांसवाड़ा, 26. **जयथल :** पण्डित विमलजी लाखेरी, 27. **बीकानेर :** पण्डित पदमकुमारजी कोटा, 28. **लकड़वास :** पण्डित अरहंत शास्त्री भिण्ड जयपुर, 29. **बोहेडा :** पण्डित दीपक शास्त्री बक्स्वाहा जयपुर, 30. **झालरापाटन :** पण्डित नागेशजी पिड़ावा, 31. **अजमेर (वैशालीनगर) :** पण्डित शनि शास्त्री खनियांधाना, 32.**अजमेर (विधान हेतु) :** पण्डित अनिकेत शास्त्री मोदी जयपुर, 33.**डूंगरपुर :** पण्डित जीवेश शास्त्री बांसवाड़ा, 34. **चित्तौड़गढ़ (कुम्भानगर) :** ब्र. चन्द्रेशजी शिवपुरी, 35. **डबोक :** पण्डित प्रदीप शास्त्री बांसवाड़ा, 36. **अलवर (मुमुक्षु मण्डल) विधान :** पण्डित शाश्वतजी शास्त्री जयपुर, 37. **वेर (भरतपुर) :** पण्डित अक्षय शास्त्री खोत बांसवाड़ा, 38. **देवली (आदिनाथ) :** पण्डित राहुल शास्त्री चित्तौड़गढ़, 39.–40. **कोटा (मुमुक्षु आश्रम) :** पण्डित धर्मेन्द्रजी शास्त्री बण्डा एवं पण्डित सौरभजी शास्त्री गढ़ाकोटा, 41. **बांरा :** पण्डित यशजी शास्त्री पिड़ावा, 42. **अलीगढ़ :** पण्डित धरमचन्दजी जयथल, 43. **कोटा (छावनी) :** पण्डित प्रेमचन्दजी बजाज कोटा, 44. **थानागाजी :** पण्डित अतिशय शास्त्री इन्दौर जयपुर, 45. **किशनगढ़ :** पण्डित प्रशान्त शास्त्री खेकड़ा जयपुर, 46. **बूंदी (मुमुक्षु मण्डल) :** पण्डित सिद्धार्थ दोशी रतलाम, 47.**भीलवाड़ा (शास्त्रीनगर) :** पण्डित रमेशचन्दजी जैन इन्दौर, 48. **भीलवाड़ा (अजमेरों की गोठ) :** पण्डित अजितजी मडावरा सागर, 49. **कानोड :** पण्डित विकास शास्त्री टीकमगढ़ कोटा, 50.**जावर माइन :** पण्डित मांगीलालजी करावली, 51. **भीण्डर :** पण्डित अभिनय शास्त्री कोटा, 52. **लुणदा :** पण्डित सपन शास्त्री सागर जयपुर, 53.**केलवाड़ा :** पण्डित अक्षय शास्त्री सोरई कोटा, 54. **उदयपुर (धान मण्डी) :** पण्डित खेमचन्दजी शास्त्री उदयपुर, 55. **रावतभाटा :** पण्डित मयंक शास्त्री बण्डा जयपुर, 56. **उदयपुर :** पण्डित ऋषभजी शास्त्री, 57. **उदयपुर (देवाली) :** पण्डित वीरचंदजी शास्त्री।

उत्तरप्रदेश प्रान्त

1. **अलीगढ़ (मंगलायतन) :** पण्डित गुलाबचन्दजी बीना, 2.**मैनपुरी :** पण्डित अनिलकुमारजी शास्त्री खनियांधाना, 3. **खतौली (चन्द्रप्रभ जिनालय) :** पण्डित निर्मलकुमारजी एडवोकेट एटा, 4. **ललितपुर :** पण्डित महेशचन्दजी ग्वालियर, 5. **कुरावली :** पण्डित मनोजजी मुजफ्फरनगर, 6. **कुरावली (कक्षा) :** पण्डित जगदीशन शास्त्री जयपुर, 7. **मेरठ (तीरगरान) :** पण्डित पीयूषजी शास्त्री जयपुर, 8. **भौगाँव :** पण्डित विनोदजी गुना, 9. **खतौली :** पण्डित समर्थ शास्त्री विदिशा जयपुर, 10. **जैतपुरकला :** पण्डित संतोष सावजी शास्त्री परभणी, 11.**कानपुर (किदवईनगर) :** पण्डित अंकित शास्त्री बण्डा जयपुर, 12.**शिकोहाबाद :** पण्डित प्रांजल शास्त्री प्रतापगढ़ जयपुर, 13. **गुरसराय :** पण्डित पीयूषजी शास्त्री गौरझामर, 14. **धामपुर :** पण्डित ज्ञानचन्दजी मदन ललितपुर, 15. **करहल :** पण्डित शशांक शास्त्री सागर, 16.**सहारनपुर :** डॉ. नेमचन्दजी शास्त्री खतौली, 17. **सहारनपुर (छात्र विद्वान) :** पण्डित नमन शास्त्री भरतपुर जयपुर, 18. **एतमादपुर :** पण्डित पीयूष शास्त्री टडा जयपुर, 19. **रुडकी :** पण्डित अनिलकुमारजी इंजिनियर इन्दौर, 20. **कानपुर (मुमुक्षु मण्डल) :** पण्डित ज्ञायक जैन मंगलार्थी, 21. **खेकड़ा :** विदूषी प्रमिला जैन इन्दौर, 22. **अमीनगरसराय (बागपत) :** पण्डित अजितजी शास्त्री मुम्बई, 23. **अमीनगरसराय (विधान हेतु) :** पण्डित आशीषजी शास्त्री जयपुर, 24. **बांदा :** पण्डित अभिनव शास्त्री मैनपुरी, 25. **फिरोजाबाद :** पण्डित रोहन शास्त्री पाटील बांसवाड़ा, 26. **गुढ़ा :** पण्डित अनुभवजी मौ, 27. **आगरा (बेलनगंज) :** पण्डित निलय शास्त्री टीकमगढ़ आगरा, 28. **आगरा :** पण्डित गणतंत्र शास्त्री खरगापुर, 29. **देवबंद :** ब्र.धरणेन्द्रजी दिल्ली, 30. **देवबंद (विधान) :** पण्डित विनय शास्त्री दिल्ली, 31. **कुर्रा चित्तरपुर (आगरा) :** पण्डित सजल शास्त्री आरोन जयपुर।

गुजरात प्रान्त

1. **अहमदाबाद (नवरंगपुरा) :** विदुषी उज्ज्वला शाह, मुम्बई/दिनेशभाई, 2. **अहमदाबाद (मणीनगर) :** पण्डित कमलचन्दजी जैन जबेरा, 3.**अहमदाबाद (मणिनगर–विधान हेतु) :** पण्डित वीतरागजी शास्त्री इचलकरंजी, 4. **अहमदाबाद (पालडी) :** पण्डित संयम शास्त्री नागपुर, 5. **अहमदाबाद (ओढव) :** पण्डित नील शास्त्री मुम्बई, 6. **अहमदाबाद**

(आशीषनगर) : पण्डित अनेकान्त शास्त्री रहली जयपुर, 7. **अहमदाबाद (बहिरामपुरा) :** पण्डित रतनचन्दजी शास्त्री कोटा, 8. **अहमदाबाद (नरौडा) :** डॉ. राजेन्द्रकुमारजी बंसल अमलाई, 9. **अहमदाबाद (चैतन्यधाम) :** ब्र. सुनीलकुमारजी शास्त्री शिवपुरी, 10. **अहमदाबाद (चैतन्यधाम) :** पण्डित सचिन शास्त्री गढ़ी, 11. **अहमदाबाद (चैतन्यधाम) :** पण्डित सुमित शास्त्री छिन्दवाड़ा, 12. **अहमदाबाद (सुखरामपुर) :** पण्डित ऋषभजी शास्त्री अहमदाबाद, 13. **सुरेन्द्रनगर :** पण्डित अनिलजी दहीसर, 14. **हिम्मतनगर :** पण्डित देवेन्द्रकुमारजी बिजौलिया, 15. **राजकोट :** पण्डित प्रदीपजी झांझरी उज्जैन, 16. **राजकोट (कक्षा) :** पण्डित विकेश शास्त्री खडैरी जयपुर, 17. **राजकोट (पूजन) :** पण्डित आयुष शास्त्री गौरझामर जयपुर, 18. **दाहोद :** पण्डित विवेकजी रानीपुर, 19. **रखियाल :** विदुषी ब्र. समता/ज्ञानधारा झांझरी उज्जैन, 20. **बड़ौदा :** डॉ. श्रेयांसजी शास्त्री जबलपुर, 21. **तलोद :** पण्डित प्रतीक शास्त्री मुम्बई, 22. **मोरबी :** पण्डित मनीषजी शास्त्री पिड़ावा, 23. **वापी :** पण्डित दीपकजी वस्त्रापुर, 24. **जामनगर :** पण्डित विरागजी शास्त्री जबलपुर, 25. **सोनगढ़ (एकल्या पार्श्वनाथ) :** पण्डित रमेशजी मंगल सागर।

अन्य प्रान्त

1. **कोलकाता :** पण्डित शुद्धात्मप्रकाश भारिल्ल जयपुर, 2. **बेलगाँव :** ब्र. अभिनन्दनजी शास्त्री देवलाली, 3. **बेलगाँव (पूजन विधान) :** पण्डित सोमिल शास्त्री जयपुर, 4. **बैंगलौर :** पण्डित नीलेशजी शाह मुम्बई, 5. **कोलकाता (विधान हेतु) :** पण्डित विवेकजी शास्त्री इन्दौर, 6. **एरनाकुल्लम (केरल) :** पण्डित सुमितजी शास्त्री टीकमगढ़ बडौत, 7.**यमुनानगर (हरियाणा) :** पण्डित अचलजी शास्त्री ललितपुर, 8.**सम्मेदशिखर (कुन्दकुन्दनगर) :** डॉ. मानमलजी कोटा, 9. **ठाकुरगंज :** पण्डित जिनकुमार शास्त्री जयपुर, 10. **फरीदाबाद :** पण्डित पारस शास्त्री खेकड़ा, 11. **फरीदाबाद (विधान) :** पण्डित सहज शास्त्री पिड़ावा जयपुर, 12. **हरिद्वार (रानीपुर) :** पण्डित पंकज शास्त्री बण्डा, 13. **गन्नोर मण्डी :** पण्डित हुकमचन्दजी राघौगढ़, 14. **भागलपुर :** पण्डित प्रकाशचन्दजी झांझरी उज्जैन, 15. **खड़गपुर :** पण्डित रजत शास्त्री कापरेन जयपुर एवं पण्डित चैतन्य शास्त्री काटोल जयपुर, 16. **मंगलौर (हरिद्वार) :** पण्डित मधुर शास्त्री सागर जयपुर, 17. **कोलाघाट :** पण्डित चैतन्यजी शास्त्री कोटा, 18. **चम्पापुर :** पण्डित नागेशजी शास्त्री जबेरा।

दिल्ली प्रांत

अध्यात्मतीर्थ : ब्र. जतीशचन्दजी शास्त्री, पण्डित अनुभवप्रकाशजी शास्त्री कानपुर, पण्डित अंकुरजी शास्त्री मैनपुरी, पण्डित सम्मेदजी शास्त्री इन्दौर, **विश्वासनगर :** डॉ. शुद्धात्मप्रभा टडैया, मुम्बई, पण्डित विवेकजी शास्त्री, पण्डित मयंकजी शास्त्री अमरमऊ, **छतरपुर :** डॉ. सुदीपजी शास्त्री छतरपुर, **केन्ट :** पण्डित धीरजजी शास्त्री जबेरा, **मन्टोला पहाड़गंज :** पण्डित समकितजी शास्त्री जयपुर, **वेदवाड़ा :** पण्डित आकाशजी शास्त्री कोटा, **बदरपुर :** पण्डित शिखरजी शास्त्री बांसवाड़ा, **साहिबाबाद–डीएलएफ :** पण्डित आदित्यजी शास्त्री पिड़ावा, **दिलशाद गार्डन :** पण्डित मधुवनजी शास्त्री मुजफ्फरनगर, **राजाबाजार :** पण्डित राहुलजी शास्त्री अशोकनगर, **शिवाजी पार्क :** पण्डित सुरेशजी शास्त्री गुना, **पटपड़गंज :** पण्डित सुकुमालजी शास्त्री गुना, **उत्तम नगर :** पण्डित अनुरागजी शास्त्री बिनौली, **मौजपुर :** पण्डित तन्मयजी शास्त्री कुरावली एवं पण्डित अभयजी शास्त्री जयपुर, **पांडवनगर :** पण्डित कैलाशचंदजी शास्त्री बीकानेर, **विकासपुरी :** पण्डित आशीषजी शास्त्री मड़ावरा, **जनकपुरी :** पण्डित समकितजी शास्त्री गुना, **बसंतकुंज :** पण्डित अचलजी शास्त्री खनियांधाना, **कालकाजी गोविन्दपुरी :** पण्डित संजीवजी शास्त्री न्यू उस्मानपुर, **सैनिक फार्म :** पण्डित आकाशजी शास्त्री खनियांधाना, **पालम गांव :** पण्डित आकाशजी शास्त्री जयपुर, **अहिंसा स्थल–महरौली :** पण्डित राजेन्द्रजी टीकमगढ, **बैंक एन्क्लेव :** पण्डित विवेकजी शास्त्री सागर, **धर्मपुरा :** पण्डित ऋषभजी शास्त्री न्यू उस्मानपुर, **बहादुरगढ :** पण्डित मोहितजी शास्त्री कोटा, **बिनौली :** पण्डित अशोकजी शास्त्री उज्जैन एवं पण्डित प्रतीकजी शास्त्री घुवारा, **छपरौली :** पण्डित दिनेशजी शास्त्री उज्जैन एवं पण्डित प्रासुकजी शास्त्री टडा, **बड़ौत :** पण्डित सुमतप्रसादजी बड़ौत, **खेकड़ा :** प्रमिलाबेन इन्दौर एवं पण्डित मयंकजी शास्त्री कोटा।

(पृष्ठ 1 का शेष...)

पूछेगा, तक 998800# दबाना है। कॉल की दर सामान्य सबके अपने–अपने प्लान के अनुसार रहेगी।

(2) यू–ट्यूब पर जाएं और सर्च करें **PTST** वहाँ आपको पण्डित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट का यू–ट्यूब चैनल मिल जायेगा, जिसमें प्लेलिस्ट पर जाकर आप व्यवस्थित क्रम से अध्ययन कर सकते हैं। हर वीडियो की डिस्क्रिप्शन के नीचे एक लिंक दी गई है, जिस पर क्लिक करके उस विषय से संबंधित ग्रंथ की पीडीएफ डाउनलोड की जा सकती है।

www.youtube.com/user/todarmalsmaraktrust

ऊपर दी गई लिंक पर सबस्क्राइब करें और उसके बगल में बेल आइकॉन पर क्लिक करना न भूलें। इससे आपको निरंतर अपडेट मिलते रहेंगे।

(3) फेसबुक के माध्यम से – www.facebook.com/ptst.jaipur (4) यू–स्ट्रीम के माध्यम से लाइव भी देख सकते हैं – www.ustream.tv/channel/ptst

टोरंटो-कनाडा में डॉ. भारिल्ल

टोरंटो : यहाँ टोरंटो के नजदीक ब्रैम्पटन स्थित नवनिर्मित दिगम्बर जैन मंदिर में समाज के विशेष आग्रह पर डॉ. हुकमचन्दजी भारिल्ल को आमंत्रित किया गया। आपके द्वारा दिनांक 9 से 15 जून तक प्रतिदिन भेदविज्ञान एवं आत्मानुभूति विषय पर हुये सारगर्भित मार्मिक प्रवचनों का भरपूर लाभ उपस्थित जैन समाज को मिला।

ज्ञातव्य है कि डॉ. हुकमंचदजी भारिल्ल विगत 35 वर्षों से प्रतिवर्ष दो माह विदेशों में तत्त्वप्रचारार्थ जाते हैं। इस वर्ष आपके द्वारा अमेरिका के अनेक नगरों में हुई धर्मप्रभावना के समाचार विगत अंक में प्रकाशित किये जा चुके हैं।

और एक शिविर ऐसा भी

– **परमात्मप्रकाश भारिल्ल** (कार्यकारी महामंत्री-टोडरमल स्मारक ट्रस्ट)

आगामी 17 सितम्बर से 24 सितम्बर तक श्री टोडरमल स्मारक भवन, जयपुर में आयोजित होने जा रहा आध्यात्मिक शिक्षण शिविर अपने आपमें अद्भुत एवं अत्यंत उपयोगी होगा।

वीतरागी तत्त्वज्ञान के प्रचार-प्रसार के क्षेत्र में पण्डित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट एक ऐसा संस्थान है, जिसका विश्वभर में कोई सानी नहीं है। अभी गत वर्ष ही तत्त्वप्रचार के क्षेत्र में अपने 50 वर्ष पूरे कर चुका यह संस्थान अपने कार्यों, कार्यप्रणाली, उपलब्धियों और व्यापकता (देश और विदेशों में) के मामले में तो अनोखा है ही; पर इसकी योजनाएं भी कोई कम अद्भुत नहीं है।

वर्तमान युग में शिक्षण शिविरों की परम्परा के प्रवर्तन का श्रेय पूज्य गुरुदेवश्री कानजीस्वामी को जाता है। उनसे प्रेरणा ग्रहण कर प्रचार-प्रसार की इस सक्षम विधा का उपयोग पण्डित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट ने बखूबी विविधतापूर्ण व प्रभावशाली ढंग से किया है।

विगत 50 वर्षों से निरंतर आयोजित हो रहे, अपने आपमें बेमिसाल 18-20 दिवसीय ग्रीष्मकालीन '**श्री वीतराग-विज्ञान आध्यात्मिक शिक्षण-प्रशिक्षण शिविर**', **पूज्य गुरुदेवश्री की उपस्थिति में सोनगढ में हुये** अनेकों अनुपम '**प्रवचनकार प्रशिक्षण शिविर**', जयपुर में आयोजित अद्वितीय '**प्रतिष्ठाचार्य प्रशिक्षण शिविर**' एवं अत्यंत सीमित समय में विशाल पैमाने पर एक साथ सैंकड़ों की संख्या में आयोजित होकर सैंकड़ों विद्वानों द्वारा हजारों बालकों को प्राथमिक तत्त्वज्ञान कराने वाले **ग्रुप शिविरों** का जनक आपका यह संस्थान अब एक ऐसे शिविरों की शृंखला प्रारम्भ करने जा रहा है, जो **समय की कमी से त्रस्त, अध्यात्म रुचि संपन्न संक्षिप्त रुचि (कम से कम शब्दों में अधिक से अधिक विषय-वस्तु का चाहक) शिक्षित, बुद्धिजीवी, सुरुचि सम्पन्न और जिज्ञासु युवावर्ग को गूढ-गंभीर तत्त्वज्ञान, आगम में समाहित जैनदर्शन के सभी महत्वपूर्ण, आधारभूत विषय, चारों अनुयोग, जैन न्याय आदि विषयों पर डॉ. हुकमचंदजी भारिल्ल के सान्निध्य, निर्देशन व मार्गदर्शन में, अधिकारी विद्वानों द्वारा सरल-संक्षिप्त और रोचक शैली में सीमित समय में सम्पूर्णता के साथ प्रस्तुत कर सके।**

उक्त शिविर मूलरूप से तो श्री टोडरमल दिगम्बर जैन सिद्धांत महाविद्यालय के विद्यार्थियों के लाभ हेतु सृजित किये गये हैं; पर इनका लाभ अन्य लोगों को भी मिले और विद्वानों तथा आयोजकों के श्रम का अधिकतम सदुपयोग हो सके इस हेतु से अन्य शास्त्री महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को भी इस शिविर में आमंत्रित किया गया है।

कोटा एवं बांसवाड़ा विद्यालयों के छात्रों एवं विद्वानों के आने की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। उदयपुर में चलने वाले महिला विद्यालय की छात्राओं को भी आमंत्रित किया गया है।

उक्त शास्त्री महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के अतिरिक्त वे नियमित विद्यार्थी, जो टोडरमल स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित '**श्री टोडरमल जैन मुक्त विद्यापीठ**' योजना के अन्तर्गत शास्त्री का कोर्स कर रहे हैं या इसी प्रकार की अन्य योजनाएं जो अन्य स्थानों से संचालित हो रही हैं, भी इस शिविर में भाग लेकर लाभान्वित हो सकते हैं।

इस योजना का लाभ सर्वसामान्यजन को भी मिल सके इस उद्देश्य से उन्हें भी हम इस शिविर में आमंत्रित करते हैं। वे सभी लोग दर्शकदीर्घा में बैठकर समस्त कक्षाओं एवं प्रवचनों का लाभ ले सकेंगे।

सभी महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के अतिरिक्त जो लोग नियमित विद्यार्थी बनकर इस शिविर में भाग लेकर, कक्षाओं में सम्मिलित होकर अंतत: परीक्षाओं में भाग लेना चाहते हैं, उन्हें शिविर के प्रारम्भ होने से पूर्व अपना रजिस्ट्रेशन करवाना आवश्यक है, ताकि उनके लिये यथोचित व्यवस्था की जा सके।

इस शिविर का सम्पूर्ण पाठ्यक्रम 5 वर्षों की योजना बनाकर तैयार किया गया है। तात्पर्य यह है कि जिनागम की वह सम्पूर्ण विषय-वस्तु जो हम इन शिविरों के माध्यम से पढाना चाहते हैं, 5 वर्ष के पाठ्यक्रम में विभाजित की गई है। इसप्रकार शिविर के इस वर्ष के पाठ्यक्रम में सम्मिलित विषय-वस्तु अगले वर्ष नहीं पढायी जायेगी। इसप्रकार आगामी 5 वर्षों तक प्रत्येक वर्ष के शिविर का पाठ्यक्रम अलग-अलग रहेगा।

उक्त तथ्य को ध्यान में रखते हुए इन शिविरों का सम्पूर्ण लाभ लेने की इच्छा रखने वाले सभी जिज्ञासुओं से अपेक्षा है कि वे उक्त सभी शिविरों में नियमितरूप से भाग लेने का कार्यक्रम बनाएं।

इस वर्ष आयोजित इस शृंखला के प्रथम शिविर का पाठ्यक्रम निम्नानुसार है -

डॉ. हुकमचंदजी भारिल्ल 'दृष्टि का विषय' एवं ब्र. सुमतप्रकाशजी 'द्रव्य-गुण-पर्याय' विषय पर व्याख्यान देंगे। इसी के साथ **प्रथम ग्रुप (उपाध्याय कनिष्ठ एवं वरिष्ठ)** में देव-शास्त्र-गुरु, सामान्य श्रावकाचार, पंचभाव, सर्वज्ञसिद्धि, परीक्षामुख के प्रथम दो अध्याय, प्रमाण का विषय व फल एवं तीन लोक; **द्वितीय ग्रुप (शास्त्री प्रथम वर्ष)** में मंगलाष्टक/महावीराष्टक, चार अभाव, निमित्त-उपादान, क्रमबद्धपर्याय, देवागम स्तोत्र, प्रमाण का प्रामाण्य एवं चौदह गुणस्थान; **तृतीय ग्रुप (शास्त्री द्वितीय-तृतीय वर्ष)** में गृहीत-अगृहीत मिथ्यात्व का स्वरूप, व्यवहाराभासी मिथ्यादृष्टि, सात तत्त्वों का अन्यथा स्वरूप, नैगमादि सप्त नय, प्रवचनसार का ज्ञानाधिकार, हेतु/हेत्वाभास।

आगामी वर्षों का पाठ्यक्रम उचित समय पर घोषित किया जायेगा।

इसप्रकार हमने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि जो लोग नियमित विद्यार्थी के रूप में लगातार पांच वर्षों तक इन शिविरों में भाग लेकर अंतत: परीक्षाओं में सम्मिलित होंगे, वे जैनदर्शन के प्रत्येक

पहलू से गहराई से परिचित हो सकेंगे।

आप यह बात समझ ही गये होंगे कि उक्त शिविरों में भाग लेकर आप पुनरावृत्ति दोष से बचते हुये सीमित समय देकर अधिकतम लाभ ले सकेंगे। यह आज के इस व्यस्त युग की ज्वलंत आवश्यकता भी है।

डॉ. हुकमचंदजी भारिल्ल के निर्देशन में विगत 40 वर्षों से संचालित पण्डित टोडरमल दिगम्बर जैन सिद्धांत महाविद्यालय के प्रयत्नों का यह सुपरिणाम है कि आज हमारे पास पर्याप्त मात्रा में ऐसे विद्वान उपलब्ध हैं जो व्यवस्थित रूप से इस प्रकार के पाठ्यक्रमों के अन्तर्गत पठन-पाठन के कार्य में अपना सहयोग प्रदान करने में सक्षम हैं।

उक्त शिविर में प्रतिदिन मंदिर में किये जाने वाले पूजन-पाठ एवं जिनेन्द्र भक्ति आदि कार्यक्रमों का भी सामान्य प्रशिक्षण दिया जायेगा। निरंतर बढती हुई मांग को ध्यान में रखते हुये पण्डित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट ने पंचकल्याणक और पूजन-विधान आदि के आयोजन हेतु भी अनेक टीमों का संयोजन किया है जो कि स्थानीय समाज की सीमाओं और आवश्यकताओं के अनुरूप उक्त कार्यक्रमों के आयोजन के सम्पूर्ण दायित्वों का निर्वाह करने में सक्षम और अपने आप में परिपूर्ण टीमें हैं।

भविष्य में इस क्षेत्र की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुये अन्य अनेक नवीन प्रतिष्ठाचार्य एवं विधानाचार्य तैयार करने की भी योजना है।

उक्त शिविर में भाग लेने वाले सभी आत्मार्थियों के आवास एवं भोजन की सम्पूर्ण व्यवस्था नि:शुल्क है।

जय जिनेन्द्र

जिनेन्द्र के गुणगान में, 'जय' शब्द कुछ करता नहीं।
वह मात्र यह दिखला रहा, जय होय नित अमलान की।।

जिन ने बताया तत्त्व को, जो आत्मसंचेतन लभे।
जय जिनप्रभू की बोलकर, वह आत्मरत को संचरे।।
हम सब कहें इस शब्द को, जो भावना को बलवते।
यह मोक्षमगरत चिह्न है, जो एकता को ही चहे।।1।।

क्या बोलना जिनविनय है, बस मान की पहचान ही।
किसने कहा किससे कहा, यह बन गया जनगान ही।।
जिसने कहा वह दीन अर जिसने सुना वह वीर ही।
क्या ऐसे ही हम जैन जन पहचान करते जिनेन्द्र की।।2।।

कवी (कवि) पूछे आपसे, क्या यही है जिनदेव जय।
हम स्वच्छ निर्मल भावना से, नहीं कर सकते क्या जय।।
सबने कहा सबसे कहा, यह चिह्न है जिनदेव का।
ना मान करना दीन होना, नहीं इसको लजाना।।3।।

– संयम जैन (शास्त्री तृतीय वर्ष)

परिचय सम्मेलन संपन्न

जयपुर (राज.) : यहाँ टोडरमल दिगम्बर जैन सिद्धांत महाविद्यालय में सत्र 2017-18 का परिचय सम्मेलन दिनांक 6 अगस्त को तीन सत्रों में संपन्न हुआ।

प्रथम सत्र में अध्यक्षता डॉ. हुकमचंदजी भारिल्ल ने, द्वितीय सत्र में डॉ. संजीवजी गोधा एवं तृतीय सत्र में पण्डित शांतिकुमारजी पाटील ने की। इसके अतिरिक्त पण्डित रतनचंदजी भारिल्ल, ब्र. यशपालजी जैन, श्री परमात्मप्रकाशजी भारिल्ल, श्री शुद्धात्मप्रकाशजी भारिल्ल, डॉ. महावीरप्रसादजी शास्त्री उदयपुर, डॉ. राजेशजी शास्त्री विदिशा, पण्डित पीयूषजी शास्त्री, पण्डित अनेकान्तजी भारिल्ल, श्रीमती कमला भारिल्ल, श्रीमती गुणमाला भारिल्ल, पण्डित जिनकुमारजी शास्त्री, पण्डित अच्युतकांतजी शास्त्री, पण्डित गौरवजी शास्त्री, पण्डित जिनेन्द्रजी शास्त्री आदि महानुभाव भी मंचासीन थे।

सभी छात्रों ने अपना-अपना परिचय प्रस्तुत करते हुए किसकी प्रेरणा से आये हैं व क्या उद्देश्य है - यह भी स्पष्ट किया। सभी अतिथियों ने महाविद्यालय को विश्व का सर्वश्रेष्ठ विद्यालय व छात्रों को सर्वश्रेष्ठ छात्र कहा, क्योंकि सभी लौकिक शिक्षा के साथ आध्यात्मिक शिक्षा के माध्यम से जीवन का सर्वश्रेष्ठ कार्य कर रहे हैं।

कार्यक्रम का संचालन आकाश जैन अमायन ने एवं आभार प्रदर्शन जिनकुमारजी शास्त्री ने किया।

पूज्य गुरुदेवश्री कानजीस्वामी के समस्त ऑडियो - वीडियो, प्रवचन साहित्य एवं अन्य अनेक जानकारियों के लिये अवश्य देखें-
वेबसाईट - www.vitragvani.com
संपर्क सूत्र-श्री कुन्दकुन्द कहान पारमार्थिक ट्रस्ट, मुम्बई
Ph. : 022-26130820, 26104912, E-Mail - info@vitragvani.com

प्रकाशन तिथि : 13 अगस्त 2017

प्रति,

सम्पादक : **पण्डित रतनचन्द भारिल्ल** शास्त्री, न्यायतीर्थ, साहित्यरत्न, एम.ए., बी.एड.
सह-सम्पादक : **डॉ.संजीवकुमार गोधा**, एम.ए.द्वय, नेट, एम.फिल (जैनदर्शन), पीएच.डी. एवं **पण्डित परमात्मप्रकाश भारिल्ल**
प्रकाशक एवं मुद्रक : **ब्र. यशपाल जैन** द्वारा जैनपथप्रदर्शक समिति के लिए जयपुर प्रिण्टर्स प्रा.लि., जयपुर से मुद्रित तथा त्रिमूर्ति कम्प्यूटर्स, श्री टोडरमल स्मारक भवन, ए-४, बापूनगर, जयपुर से प्रकाशित।

यदि न पहुँचे तो निम्न पते पर भेजें -
ए- 4 बापूनगर, जयपुर - 302015 (राज.)
फोन : (0141) 2705581, 2707458
E-Mail : ptstjaipur@yahoo.com